एक्वा लाइन पर अगस्त-सितंबर से मेट्रो

नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का अधिकारिक ट्रायल शुरू, तीन माह चलेगा

अमर उजाला ब्यूरो - 13-05-18

ग्रेटर नोएडा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो एक्वा लाइन के आधिकारिक ट्रायल की शनिवार को शुरुआत हुई। ट्रायल करीब तीन माह तक चलेगा। डिपो स्टेशन से सेक्टर-147 स्टेशन तक ट्रायल रेल मंत्रालय द्वारा चयनित एजेंसी रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन 'डीडीएसओ' की निगरानी में चलेगा। धीरे-धीरे इस ट्रायल को अगले स्टेशनों तक ले जाया जाएगा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि अगस्त-सितंबर से लोग मेट्रो का सफर कर सकेंगे।

डीएमआरसी के एमडी मंगू सिंह ने बताया कि ट्रायल की टेस्टिंग दो जनवरी से शुरू हो गई थी। अब यह ट्रायल तीन महीने या कुछ अधिक समय तक चलेगा। इसके बाद कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी ट्रायल का निरीक्षण करेंगे। सब ठीक रहा तो मेट्रो का सफर शुरू हो जाएगा। इस मौके पर एनएमआरसी के चेयरमैन आलोक टंडन और यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह भी मौजूद थे। एक्वा लाइन मेट्रो का ट्रायल डिपो से सेक्टर-147 स्टेशन के बीच 10 किमी तक चलेगा। बचे हुए काम को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

11 ट्रेनों की पड़ेगी जरूरत

अधिकारियों ने बताया कि 30 किमी की एक्वा लाइन के लिए 11 मेट्रो की जरूरत है। डिपो में तीन मेट्रो आ चुकी हैं, जिनका ट्रायल चल रहा है। जून तक तीन और ट्रेन आ जाएंगी। यह ट्रेन चार कोच की होंगी। 19 रैक और चार कोच वाली मेट्रो ट्रेन हल्के स्टेनलेस स्टील से निर्मित है। प्रत्येक ट्रेन में यात्री सूचना प्रणाली, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर में इमरजेंसी अनाउसमेंट सिस्टम लगा होगा। ट्रेन की स्पीड 80 किलोमीटर अधिकतम और करीब औसतन स्पीड 37.5 किलोमीटर प्रतिघंटे है।

मेट्रो फेज-दो में अंशदान नहीं देगा नगर निगम

गाजियाबाद। दिलशाद गार्डन से नया बस अड्डा मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए नगर निगम डीएमआरसी को 247 करोड़ का अंशदान नहीं देगा। शनिवार को गाजियाबाद निगम कार्यकारिणी बैठक में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। अब प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। निगम का तर्क है कि प्रोजेक्ट में निगम की जितनी जमीन गई है, शासन उसकी कीमत जीडीए से लेकर डीएमआरसी को दे।